भारतीय मजदूर संघ, बिहार प्रदेश।

डी/18, विद्युत् बोर्ड कॉलोनी

पटना-800 023

महामंत्री का प्रतिवेदन

15वाँ प्रादेशिक अधिवेशन

11 एवं 12 अक्टूबर 1992

साहेबगंज, संथालपरगना

सम्माननीय अध्यक्षजी, माननीय भक्तजी, माननीय श्री अग्वी जी, उपस्थित अधिकारीगण,

प्रतिनिधि बन्धुओं एवं बहनों।

आज साहेबगंज में भारतीय मजदूर संघ, बिहार प्रदेश के 15वाँ प्रादेशिक अधिवेशन के अवसर पर आप सबका स्वागत करते हुये अत्यन्त ही प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। सबके सामने जुलाई 1989 से अब तक के कालखण्ड का एक संक्षिप्त प्रतिवेदन आपकी स्वीकृति हेतु प्रस्तुत कर रहा हूँ।

14वें अधिवेशन के अवसर पर हमलोग सन् 1989 में बोकारो में मिले थे, जो एशिया का सबसे बड़े इस्पात कारखाने का केन्द्र है। आज हमलोग गंगा की तट पर बसा एक छोटा-सा नगर साहेबगंज में मिल रहे हैं।

श्रद्धांजलियाँ :

गत अधिवेशन और वर्त्तमान अधिवेशन के बीच इस संसार से जो लोग चल बसे, नतमस्तक होकर, भारतीय मजदूर संघ, बिहार प्रदेश के 15वें अधिवेशन के अवसर पर उपस्थित हम सभी प्रतिनिधि उन सभी हुतात्माओं के प्रति अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

भारतीय मजदूर संघ के कई उच्चस्तरीय नेता आज हमारे बीच नहीं हैं। उनमें याद आ रहे हैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनहर भाई मेहता, बम्बई। राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य श्री अच्युतराव देशपाण्डे एवं डाकतार कर्मचारियों के नेता श्री डब्ल्यू० एस० मिटकरी जी एव मोतीलाल जयसवालजी।

साथ ही अपने प्रदेश के कई वरिष्ठ कार्यकर्त्ताओं के असमय बिछुड़ जाने से भी क्षति हुई है। जिनमें प्रदेश मंत्री श्री शम्भुशरणजी, टाटा नगर हैं। हमने राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ के वरिष्ठ सदस्य श्री यादव राव जोशी एवं मा० भाउराव देवरसजी को खोया है। ट्रेड यूनियन नेता श्री मिथलेश कुमार सिंह का भी निधन हो गया।

इस बीच अनेक बन्धु हमारे बीच से गुजर गए उनके प्रति भी श्रद्धा अर्पित करते हैं।

आर्थिक एवं औद्योगिक नीति :

भारत सरकार की आर्थिक एवं औद्योगिक नीति देश को हर दृष्टि से गुलाम बनाने का षडयंत्र है। अमेरिका से मदद चाहिए तो उसके शर्तों को मानना होगा। जिसके कारण हम आर्थिक दृष्टि से गुलाम होते जा रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की खुले आमंत्रण, देश के लिए दूर्भाग्यपूर्ण है। इससे देश के उद्योग धन्धे धीरे-धीरे खत्म हो जायेंगे। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिये जनता को विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना होगा।

सरकार की औद्योगिक नीति की सबसे खतरनाक बात यह है कि आई० डी० एक्ट की धारा 25(ओ) के तहत श्रमिकों को यह संरक्षण मिला हुआ है कि प्रबन्धन—सरकार की सहमति के बगैर किसी श्रमिक की छँटनी नहीं कर सकती। लेकिन इस आधार को समाप्त करने के लिये मालिक-प्रबन्धन सरकार पर दबाव दे रही है। वर्ल्ड बैंक एवं आ.ई० एम० एफ० जैसे वित्तीय संस्थानों का भी भारत सरकार पर यही दवाब है। यदि ऐसा हुआ तो यह मजदूर वर्ग के लिये बहुत घातक होगा। हम इसका हर कीमत पर विरोध करेंगे।

भारतीय मजदूर संघ :

श्रम जगत में भारतीय मजदूर संघ अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा, संघटनात्मक शक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिये लोकप्रिय है। वर्त्तमान में देश में विभिन्न श्रम संगठन कार्यरत हैं, जिसमें 50 लाख की सदस्यता के साथ

भारतीय मजदूर संघ की अहम भूमिका है। राष्ट्रीय स्तर पर 3200 से अधिक निबंधित यूनियनें हैं। भारतीय मजदूर संघ 34 उद्योगों में कार्यरत है। जिसके अलग-अलग महासंघ हैं। भारतीय मजदूर संघ का प्रमुख नारा है—

देश के हित में करेंगे काम, काम का लेंगे पूरा दाम।

वर्ष 1990 में World Trade Union Congress ने भारतीय मजदूर संघ को प्रथम बार आमंत्रित किया। इस कांग्रेस में यह निर्णय लिया गया कि ट्रेड यूनियन को राजनीति से अलग रखा जाए। भारतीय मजदूर संघ ने मुख्य माँग किया है कि बोनस टू ऑल, विदाउट एनी सिलींग।

भारतीय मजदूर संघ ने देश के सभी उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों, कर्मचारियों के लिये राष्ट्रीय वेतन निर्धारण करने हेतु एक राष्ट्रीय आयोग गठित करने की माँग की है।

प्रेरणास्रोत मा० दत्तोपन्त ठेंगड़ीजी के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय महासंत्री श्री राजकृष्ण भक्त के नेतृत्व में तेजी से भारतीय मजदूर संघ का कार्य विस्तार हो रहा है।

भारतीय मजदूर सघ बिहार प्रदेश :

प्रदेश में कुल 193 निबंधित यूनियनें हैं। कुल सदस्य संख्या इस समय लगभग 5 लाख है। इस समय संगठनात्मक दृष्टि से 15 जिले में जिला समिति तथा 19 जिलों के कार्य संचालन हेतु जिला संयोजक नियुक्त किये गये हैं।

इस कालावधि में पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना, सरकारी कर्मचारियों, सी०एम० पी० डी० आई०, रांची, आई० डी० पी० एल०, मुजफ्फरपुर, ए० भी० एस०, दानापुर, वित्तीय निगम, पटना, चीनी उद्योग, गरौल एवं चकिया में नया कार्य प्रारम्भ हुआ है।

लोहरदग्गा के वाक्साईट खान, राजमहल क्षेत्र के पत्थर खादान, धनबाद जिला के कोयला क्षेत्र में अपना यूनियन एक शक्ति के रूप में उभर कर आया है। धनबाद जिला के असंगठित क्षेत्र के मजदूर, भट्ठा मजदूर, बालू मजदूर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों के बीच अपना कार्य विस्तार हुआ है। राज्य के सभी महत्वपूर्ण उद्योगों में बिजली, कोयला, इंजीनियरिंग, सीमेन्ट, रेलवे, पोस्टल टेलीकॉम, केन्द्रीय सार्वजनिक प्रतिष्ठान आदि उद्योगों में अपना कार्य विस्तार हुआ है।

उत्तर बिहार में कार्य विस्तार :

गोपालगंज, सिवान, छपरा, बैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, कटिहार, सहरसा, पूर्णिया, किसनगंज, दरभगा, बेगूसराय में भारतीय मजदूर संघ का कार्य तेजी से बढ़ रहा है। विशेष कर चीनी उद्योग, विद्युत एवं ग्रामीण बैंक में कार्य विस्तार तेजी से हो रहा है। जहाँ अपने प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त है, वहीं राज्य के पथ परिवहन, बैंक, जीवन बीमा निगम, सरकारी कर्मचारियों के बीच अपना कार्य कमजोर है। साथ ही अभी भी बिहार में असंगटित क्षेत्र में कृषि मजदूर एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र के असंगटित मजदूरों एवं बीड़ी मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं मिलता। अन्य सुविधा जैसे—मइँगाई भत्ता, भविष्य निधि आदि की बात करना ही गुनाह है।

अतः असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जायज माँगों के लिये संघर्ष करना पड़ेगा। कानून से इनकी समस्याओं का हल नहीं हो सकता है। इनकी समस्याओं को हल करने के लिये कुछ बुनियादी सिद्धान्त तय करना चाहिए।

दिनांक 12 अप्रील 1990 का ऐतिहासिक प्रदर्शन :

दिनांक 12 अप्रील 1990 को भारतीय मजदूर संघ, बिहार प्रदेश के आह्वान पर राजधानी पटना में एक राजस्तरीय प्रदर्शन सम्पन्न हुआ। बिहार के सभी उद्योगों से लगभग 15 हजार मजदूरों ने भाग लिया। ट्रेड यूनियन की दृष्टि से यह एक ऐतिहासिक प्रदर्शन था। अभी तक कोई भी केन्द्रीय श्रम संगठन द्वारा ऐसा विराट् प्रदर्शन नहीं हुआ था। प्रदर्शन का नेतृत्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री ओम प्रकाश अग्घी, उस समय के आवासीय सचिव श्री राजे कृष्ण भक्त एवं क्षेत्र प्रमुख श्री टी० सी० जुमड़े ने किया।

प्रशिक्षण वर्ग :

भारतीय मजदूर संघ, बिहार के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं का एक विशेष अभ्यास वर्ग दिनांक 20 एवं 21 सितम्बर, 1991 को राँची में सम्पन्न हुआ वर्ग में 256 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वर्ग का उद्घाटन मा० श्री दत्तोपंत ठेंगडी जी ने किया एवं मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजकृष्ण भक्त जी उपस्थित हुये। प्रदेश स्तर का यह प्रथम अभ्यास वर्ग था।

संगठनात्मक विवरण :

इस कालावधि में कई अखिल भारतीय फेडरेशनों का सफल अधिवेशन अपने बिहार प्रान्त में सम्पन्न हुआ। भारतीय डाकतार कर्मचारी महासंघ का तृतीय फेडरल कौंसिल का अधिवेशन पटना में सम्पन्न हुआ। अखिल भारतीय खनिज धातु मजदूर संघ का तृतीय अधिवेशन दिनांक 6 एवं 7 मई 1990 को राजमहल में सम्पन्न हुआ। भारतीय इंजीनियरिंग मजदूर संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 7 एवं 8 जून को बोकारो में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मा० श्री रमण गिरधर साह, अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री ओम प्रकाश अग्घी एवं राष्ट्रीय मंत्री श्री राम प्रकाश मिश्रजी उपस्थित हुए। वष 1989 के नवम्बर माह में अखिल भारतीय बीड़ी मजदूर संघ का अधिवेशन बिहार शरीफ में सम्पन्न हुआ।

अन्दोलनात्मक कार्यक्रम :

16 जून से 22 जून तक ठीकेदारी प्रथा के उन्मूलन माँग सप्ताह के अन्तर्गत औद्योगिक केन्द्रों तथा जिला केन्द्रों पर माँग सप्ताह के अन्तर्गत धरना आयोजित किया गया।

25 अप्रील 1990 को एन० ओ० बी० डब्लू० के आह्वान पर बैंकों के सभी कर्मचारियों ने एकदिवसीय हड़ताल में भाग लिया।

भारतीय फायर बीक्स एवं पोट्री मजदूर संघ :

मजदूरों की समस्याओं के निष्पादन हेतु दिनांक 20 मई 1992 सिरामिया लि० के मुख्य गेट पर 48 घंटे का भूख हड़ताल किया।

दिनांक 14-11-90 को टाटानगर में झारखंडियों के द्वारा श्री शम्भुजी तथा श्री चन्देश्वरजी को घेरकर मार डालने की चेष्टा की गई।

प्रदेश कार्य समिति के निर्णयानुसार फरवरी एवं मई 1991 में बिहारशरीफ, पटना, साहेबगंज, धनबाद तथा बोकारो में असंगठित मजदूरों का प्रदर्शन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राँची में धरना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

एन० ओ० बी० डब्लू० के आह्वान पर दिनांक 6 सितम्बर 1991 को देशव्यापी हड़ताल काफी महत्वपूर्ण रही। स्थानीय रिजर्व बैंक, पटना में हड़ताल पूर्णतः सफल रही।

नेशनल कमिटि फोर फाईनान्सियल इंस्टीच्यूट्स के आह्वान पर देश व्यापी धरना एवं प्रदर्शन के क्रम में कमिटि के प्रान्तीय इकाई के नेतृत्व में स्थानीय डाक बंगला चौराहा पर भारतीय रिजर्व बैंक, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, ग्रामीण बैंक, भूमि विकास बैंक एवं जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों ने धरना दिया।

आई० डी० पी० एल०, मुजफ्फरपुर को बन्द कराने के साजिस के विरोध में भारतीय मजदूर संघ, मुजफ्फरपुर की जिला इकाई ने संघर्ष का आह्वान किया जिसके फलस्वरुप अभी तक आई० डी० पी० एल०, मुजफ्फरपुर बन्द नहीं हुआ है।

लम्बित मांगों की पूर्त्ति हेतु शिव मिल, पटना के मजदूरों ने हड़ताल किया। हड़ताल पूर्णतः सफल रही। लेकिन प्रबन्धन ने पुलिस को मिलाकर सैकड़ों मजदूरों को जेल में डाल दिया एवं उन पर तरह-तरह के अत्याचार किये। अपने प्रमुख कार्यकर्ताओं पर क्रिमीनल केश भी किया है जो अभी तक चल रहा है।

प्रदेश में प्रगति का सिंहावलोकन

कोयला क्षेत्र :

कोयला क्षेत्र में भारतीय मजदूर संघ का कार्य तेजी से बढ़ रहा है। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के आह्वान पर विभिन्न मागों को लेकर दिनांक 30 अगस्त 1991 को कोलियरी कर्मचारियों का एक विशाल प्रदर्शन धनबाद एवं रांची में क्रमशः बी० सी० सी० एल० एवं सी० सी०एल० के मुख्यालय के सामने सम्पन्न हुआ। धनबाद में प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश संगठन मंत्री श्री सुरेश प्रसाद सिन्हा एवं रांची में प्रदेश मंत्री श्री रघुवंश नारायण सिंह ने किया।

रेलवे :

पूर्वी रेलवे कर्मचारी संघ की प्रगति दिन प्रतिदिन हो रही है। मांगों की पूर्ति हेतु धरना, प्रदर्शन हमेशा चलता रहता है। पूर्वी रेलवे कर्मचारी संघ, जमालपुर की ओर से एकदिवसीय धरना का कार्यक्रम जमालपुर रेलवे स्टेशन भवन प्रांगण में दिनांक 17-9-92 को सम्पन्न हुआ। पूर्वी रेलवे कर्मचारी संघ का वार्षिक अधिवेशन धनबाद में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रमण भाई साह भी उपस्थित हुए। पूर्वी रेलवे के बड़काखाना स्टेशन पर दिनांक 12-9-92 को धरना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। धरना में लगभग 70 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीकान्त पाण्डेय, पूर्वी रेलवे के अध्यक्ष भी सम्मिलित हुए।

भारतीय डाक एवं दूरसंचार कर्मचारी महासंघ :

भारतीय डाक कर्मचारी एव भारतीय दूरसंचार कर्मचारी महासंघों का कार्य बिहार में दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। कार्यकर्त्तागण, भारतीय मजदूर संघ की रीति-नीतियों के प्रति जुड़ते जा रहे हैं।

भारतीय डाक कर्मचारी संघ 3 श्रेणी का वार्षिक अधिवेशन दिनांक 8—10 मार्च '92 को मोतिहारी में सम्पन्न हुआ जिसमें केन्द्रीय महामंत्री श्री मोहन राव एव महामंत्री श्री राजेन्द्र कृष्ण शर्मा के अतिरिक्त श्री सुरेश प्रसाद सिन्हा, संगटन मंत्री, भा० म० संव बिहार ने उपस्थित होकर मार्गदर्शन किये।

विगत वर्षों में दूरसंचार के प्रान्तीय एवं जिला स्तरीय इकाईयों द्वारा निम्नांकित महत्वपूर्ण कार्यक्रम लिये गये।

1. दरभंगा दूरसंचार जिला बी. टी. टी. यू. द्वारा अनुचित स्थानान्तरण के विरोध में दिनांक 23 अक्टूबर 91 को एक दिन का अचानक हड़ताल आयोजित किया गया जिसमें सफलता मिली।

2. बी. टी टी. यू. प्रान्तीय संघ द्वारा राज्य स्तरीय लम्बित मांगों को लेकर प्रान्तीय मुख्यालय पर दिनांक 10 मार्च 1992 को प्रदर्शन किया गया तथा जिला मुख्यालयों पर दिनांक 31 मार्च 92 को धरना एवं प्रदर्शन किया गया जिसमें अच्छी सफलता हासिल हुयी।

3. मुजफ्फरपुर के टेलिफोन कर्मचारी संघ के कार्यकर्त्ताओं ने मंडलीय अभियन्ता के रवैये तथा उनके द्वारा किये गये अनेकों गलत कार्यों के विरोध में अप्रील और जून महिनों में अनिश्चितकालीन धरना एवं प्रदर्शन किये जिससे समस्याओं को सुलझाने में सफलता मिली। इस कार्य में जिला बी. एम. एस. का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

4. लाइन स्टाफ तथा मजदूर मंच आदि प्रान्तीय संघों ने प्रान्तीय स्तर पर दिनांक 17.9.92 को मुख्य महा प्रबन्धक दूरसंचार कार्यालय के समक्ष विभिन्न स्थानीय मांगों को लेकर तथा केन्द्रीय महासंघ सरकारी कर्मचारी (बी. एम. एस.) द्वारा आहूत वेतन समिति गठन, अन्तरिम सहायता, बोनस सीमा बढ़ाने सम्बन्धी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया गया।

5. दूर-सचार कर्मचारी महासंघ एवं डाक महासंघ के कर्मचारियों ने पटना में गत वर्ष 1991 तथा इस वर्ष भी भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस समारोह एक पखवारे तक पटना के विभिन्न इकाईयों में सभाओं का आयोजन कर मनाये तथा भा. म. संघ की रीति-नीतियों का प्रचार प्रसार किये। यह कार्यक्रम बहुत ही प्रभावोत्पादक रहा।

विद्युत् उद्योग :

सितम्बर '90 को बिहार प्रदेश विद्युत् श्रमिक संघ का प्रदेश अधिवेशन कांटी थरमल पावर स्टेशन, मुजफ्फरपुर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमण भाई साह उपस्थित हुये। जुलाई 1991 में कटौती की गई परियोजना भत्ता के लिए परियोजना कर्मचारियों ने एक सफल हड़ताल किया। हड़ताल का नेतृत्व विद्युत् श्रमिक संघ द्वारा किया गया। बिहार प्रदेश विद्युत् श्रमिक के आह्वान पर विद्युत् मजदूरों का एक विशाल प्रदर्शन दिनांक 15 जुलाई 1992 को पटना विद्युत् भवन के समक्ष किया गया। इस बीच सहरसा, काँटी थरमल, धनबाद एवं छपरा में नया कार्य खड़ा हुआ है।

सरकारी कर्मचारी :

सरकारी कर्मचारियों के बीच अपना विधिवत कार्य प्रारम्भ हो गया है। इसका प्रथम प्रदेश अधिवेशन दिनांक 12 सितम्बर 1992 को पटना में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन के अवसर पर श्री राजकृष्ण भक्त एवं श्री गिरीश अवस्थी जी उपस्थित हुये।

हटिया श्रमिक संघ :

पेन्शन स्कीम एवं महँगाई भत्ते में वृद्धि, ठीकेदारी मजदूरों को स्थायी करने, आयकर सीमा, न्यूनतम सीमा वृद्धि करने हेतु हटिया श्रमिक संघ द्वारा 20 अगस्त 1991 को हटिया श्रमिक संघ के मुख्यालय राँची में एकदिवसीय धरना एवं प्रदर्शन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बीड़ी उद्योग :

वर्ष 1989 के नवम्बर माह में अखिल भारतीय बीड़ी मजदूर संघ का अधिवेशन बिहारशरीफ (नालन्दा) में सम्पन्न हुआ।

19 अगस्त 1992 को पटना उच्च न्यायालय ने बीड़ी मालिकों के आवेदन को खारिज कर दिया। जिसके फलस्वरूप बिहार राज्य के तमाम बीड़ी मजदूरों को भविष्य निधि कानून से प्राप्त हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि मालिकों ने काम बन्द कर दिया है, जिसके कारण बिहारशरीफ, झाझा, मुंगेर, बरौनी, समस्तीपुर, शेखपुरा एवं अन्य स्थानों के लगभग एक लाख मजदूर बेकार हो गये हैं एवं भुखमरी के चपेट में हैं। अभीतक कार्य बन्द है। समझौता-वार्ता जारी है।

रोहतास कर्मचारी संघ :

यह सर्वविदित है कि डालमिया नगर, बिहार स्थित रोहतास उद्योग समूह सर्वोच्च न्यायालय आदेश दिनांक 24-10-89 से अधिग्रहण हुआ। लेकिन अबतक मात्र दो हजार मजदूर ही काम पर आये हैं। 12000 मजदूरों को काम पर आना है। पेपर, सिमेन्ट, रेलवे का कार्य अब तक बन्द है। पुनर्वास आयुक्त श्री संजय श्रीवास्तव के तानाशाही रवैये से डालमिया नगर के मजदूर परेशान हैं। बचे हुये मजदूरों को वापस लाने के लिये 27-6-92 एवं 10 अगस्त 1992 को आम सभा भी हुई। लेकिन बचे हुये मजदूर अभी तक कार्य पर वापस नहीं आये हैं।

इंजीनियरिंग :

प्रदेश के छोटे बड़े सभी इंजीनियरिंग कारखाने में अपना कार्य है। इंजीनियरिंग उद्योग में कुल निबंधित यूनियनें 38 हैं जिसकी सदस्य संख्या 45,257 है। प्रदेश में अनेक बन्द एवं बीमार कारखाने हैं, जिसे खोलने का प्रयास चल रहा है। इंजीनियरिंग उद्योग के श्रमिकों के लिये अभी तक कोई केन्द्रीय इंजीनियरिंग वेतन पर्षद का गठन नहीं किया गया। उद्योग में ठीकेदारी प्रथा लागू है। उपरोक्त मांगों के लिये संघर्ष जारी है।

कोल्डस्टोरेज :

वर्ष 1990 में कोल्डस्टोरेज के मजदूर, लम्बित मांगों की पूर्ति हेतु संघर्ष पर गये धरना, प्रदर्शन एवं हड़ताल मजदूरों द्वारा किया गया। अन्त में मजदूरों की जीत हुई। त्रिपक्षीय समझौता के फलस्वरूप मजदूरों को 15% वेतन में वृद्धि की गई।

वर्ष 1991 में न्यूनतम वेतन पर 5% स्थायी बढ़ोत्तरी होते रहेगी। ऐसा एक त्रिपक्षीय समझौता सम्पन्न हुआ। फ्रुट कोल्डस्टोरेज के सभी छटनीग्रस्त कर्मचारियों को 1992 में पुनः नियुक्त किया गया।

रिजर्व बैंक आर्गेनाईजेशन, पटना :

एम० ओ० बी० डब्ल्यू० के आह्वान पर 9 सितम्बर 1991 की देशव्यापी हड़ताल काफी महत्वपूर्ण रही। स्थानीय रिजर्व बैंक पटना में भी हड़ताल काफी महत्वपूर्ण रही। प्रबन्धन ने हड़ताल विफल करने के लिये हर संभव प्रयास किया। कर्मचारियों के मनोबल को तोड़ने के लिये बैंक का मुख्य द्वार समय से पूर्व खोल दिया गया। बैंक का समाशोधन कार्य को लम्बित रखा गया। फिर कर्मचारियों की अनुपस्थिति असमान्य रही। बाद में हमारे प्रबल प्रतिशोध के फलस्वरूप मुख्यद्वार को समय से पूर्व खोलने की गलती को प्रबन्धन ने स्वीकार किया।

बिहार राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक :

भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध भूमि विकास बैंकर्स वर्क आर्गेनाईजेशन कर्मचारियों ने लम्बित मांगों की पूर्ती हेतु धरना एवं प्रदर्शन के सफल कार्यक्रम के पश्चात दिनांक 8 जुलाई 1991 से राज्य भर में अनिश्चित-

कालिन हड़ताल किया । हड़ताल के अवधि में राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजकृष्ण भक्त ने मार्गदर्शन किया । फलस्वरूप 5 अगस्त को समझौता हुआ । लेकिन समझौता का पूर्ण रूप से अभी तक पालन नहीं हुआ है ।

पत्थर खदान :

इस कालखण्ड में राजमहल, महाराजपुर, मंगलहाट तीन पहाड़ क्षेत्र में पत्थर खदान में अपना कार्य विस्तार हुअ। है । लेकिन अभी पत्थर खदान मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी एवं भविष्यनिधि की सुविधा प्राप्त नहीं है जिसके लिये संघर्ष जारी हैं ।

सीमेंट उद्योग :

बिहार के सभी सीमेन्ट उद्योग में अपना कार्य है। उनमें से जपला एवं रोहतास उद्योग समूह का सीमेन्ट कारखाना बन्द है ।

पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र :

राजधानी पटना में प्रमुख ओद्योगिक केन्द्र में भारतीय मजदूर संघ का प्रभावी रूप से कार्य प्रारम्भ हुआ है । इसके पूर्व यह क्षेत्र एटक के प्रभाव में था ।

आँगनवाड़ी सेविकाओं :

आँगनबाड़ी सेविकाओं के बीच भी अपना नया कार्य प्रारम्भ हुआ है । एक यूनियन भी निबंधित हुई है । वेतन के सवाल को लेकर आँगनबाड़ी सेविकाओं ने प्रबन्धन के समक्ष धरना एवं प्रदर्शन का सफल कार्यक्रम किया ।

राष्ट्रीय श्रम दिवस :

विश्वकर्मा जयन्ती को हम राष्ट्रीय श्रम दिवस के रूप में मनाते हैं । इस वर्ष 1992 में इस दिवस को बोनस दिवस के रूप में स्थान-स्थान पर मनाया गया ।

जनजागरण आन्दोलन :

अखिल भारतीय मजदूर संघ के निर्णयानुसार स्व० लाला लाजपत राय के जन्मदिन 17 नवम्बर से 27 नवम्बर 1991 तक स्थान-स्थान पर जनजागरण आन्दोलन मनाया गया । इस आन्दोलन के जरिये सरकार की गलत आर्थिक नीतियों को उजागर किया गया । जो इस प्रकार है---दिनांक 25.9.91 पटना रिजर्व बैंक के समक्ष, हजारीबाग के पतरातू थरमल में, लोहरदगा सदर एवं रांची में भी विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई । इस अवसर पर दिनांक 26.3.92 को राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजकृष्ण भक्तजी का प्रेस सम्मेलन भी हुआ । एवं स्थान स्थान पर विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई ।

विरोध दिवस 25 मार्च 1992 :

भारतीय मजदूर संघ के निर्णयानुसार बढ़ती मँहगाई एवं सरकारी कर्मचारियों की छँटनी के विरोध में दिनांक 25 मार्च 1992 को जिला केन्द्रों एवं औद्योगिक केन्द्रों पर जुलूस एवं धरना का कार्यक्रम आयोजन किया गया ।

चेतावनी सप्ताह :

भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर भारत सरकार की आर्थिक एवं औद्योगिक नीति के विरुद्ध दिनांक 6 जून से 12 जून 1992 तक चेतावनी सप्ताह मनाया गया । इस अवसर पर द्वार सभा, आमसभा, साहित्य वितरण

तथा सामूहिक गिरफ्तारियाँ का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जो इस प्रकार है। धनबाद, बोकारो, राँची, रामगढ़, हजारीबाग, पटना, डाल्टेनगंज, बिहारशरीफ, राजमहल, मुजफ्फरपुर आदि।

लगभग 545 कार्यकर्त्ताओं ने सामूहिक गिरफ्तारियाँ दी। जिला केन्द्रों पर प्रदर्शन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

7 जुलाई 1992 को सामूहिक अनशन :

बिहार प्रदेश में सामूहिक अनशन का कार्यक्रम 35 स्थानों पर सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रमुख स्थान निम्न-लिखित हैं—हजारीबाग, राँची, राजमहल, सिन्दरी, पटना, बरकाखाना, टाटा, मुजफ्फरपुर, डाल्टेनगंज, लोहरदग्गा, बिहारशरीफ एवं धनबाद।

16 जून की प्रस्तावित हड़ताल :

बिहार प्रदेश में 16 जून को उद्योगों में विधिवत काम जारी रखने की भारतीय मजदूर सघ की अपील का जोरदार समर्थन हुआ। केवल बैंक एव जीवन बीमा निगम में हड़ताल का कम असर रहा। बाकी सभी उद्योगों में मजदूरों ने काम करने का निर्णय लिया था।

विशेष उल्लेखनीय :

श्री कपिलदेव, विद्युत्कर्मी 1976 से वर्खास्त थे। लेवर कोर्ट ने पूरे वेतन के साथ कार्य पर वापस लेने का फैसला किया है। श्री राम सेवा में वापस आ गये हैं।

श्री राम वियरिंग कम्पनी, राँची में पिछले 18 वर्षों से वर्खास्त 6 कर्मचारियों को सेवा में वापस ले लिया है। टियुन कम्पनी के प्रबन्धन द्वारा विगत 22 वर्षों से वर्खास्त 3 कर्मचारियों को कार्य पर वापस ले लिया है।

आभार प्रदर्शन :

विगत तीन वर्षों के कालखण्ड में कार्यसंचालन तथा कार्य को गति प्रदान करने में सहयोग के लिये अपने सभी सहयोगियों, कार्यकर्त्ताओं तथा सदस्यों को हार्दिक आभार प्रगट करते हैं। अपने केन्द्रीय अधिकारियों, जिनके कुशल मार्ग-दर्शन से अनेक कठिनाइयों में भी कार्य करते रहने की प्रेरणा मिली—राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजकृष्ण भक्त, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री टी० सी० जुमड़े, अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री ओम प्रकाश अग्वी एवं क्षेत्र प्रमुख श्री परितोष पाठक का हम श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

अपने सभी शुभचिन्तकों, जिनका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होता रहा है, उनके आर्शीवाद के हम आकांक्षी हैं।

उक्त कालखण्ड का यह छोटा-सा प्रतिवेदन इस सामान्य सभा के सामने स्वीकृति के लिये प्रस्तुत कर रहा हूँ।

श्रमिक-गीत

मानवता के लिए ऊषा की किरण जगाने वाले हम।
शोषित, पीड़ित, दलित जनों का, भाग्य बनानें वाले
हम ॥ ध्रु० ॥

हम अपनें श्रम-सीकर से ऊसर में स्वर्ण उगा देंगे।
कंकड़ - पत्थर समतल कर काँटों से फूल उगा देंगे ॥
सतत परिश्रम से अपने हैं वैभव लानें वाले हम।
शोषित, पीड़ित, दलित जनों का, भाग्य बनाने वाले
हम ॥

अन्य किसी के मुँह की रोटी, हरना अपना काम नहीं।
पर अपने अधिकार गँवाकर कर सकते आराम नहीं ॥
अपने हित औरों के हित का, मेल मिलाने वाले हम!
शोषित, पीड़ित, दलित जनों का भाग्य बनानें वाले
हम ॥

रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा आवश्यकता जीवन की।
व्यक्ति और परिवार सुखी हों, तभी मुक्ति होती सच्ची ॥
हँसते - हँसते राष्ट्रकार्य में शक्ति लगाने वाले हम।
शोषित, पीड़ित, दलित जनों का भाग्य बनाने वाले
हम ॥

भारत माता का सुख - गौरव, प्राणों से भी प्यारा है।
युग-युग से मानव-हित करना, शाश्वत धर्म हमारा है ॥
जीवन शक्ति उसी माता को, भेंट चढ़ाने वाले हम।
शोषित, पीड़ित, दलित जनों का भाग्य बनानें वाले
हम ॥